

देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में अब 60% होगी यूपी की हिस्सेदारी



गंगा एक्सप्रेसवे
का लोकार्पण
कल, राज्य में
1910 किलोमीटर
का नेटवर्क तैयार

<< गंगा एक्सप्रेसवे का हरदोई जिले के मल्लावां क्षेत्र का दृश्य। इसका निर्माण उग्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने कराया है • जागरण

मनोज त्रिपाठी • जागरण

लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 594 किलोमीटर लंबे नवनिर्मित गंगा एक्सप्रेसवे का हरदोई में बुधवार को जब लोकार्पण करेंगे तो प्रदेश में संचालित एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की कुल लंबाई 1910 किलोमीटर हो जाएगी। इसके साथ ही देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी।

एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की शृंखला में 29 अप्रैल से मेरठ से प्रयागराज तक बने प्रदेश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेसवे के जुड़ने के साथ ही निर्माणाधीन लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का भी मई में लोकार्पण होना है। इसका संचालन शुरू होने के बाद राज्य में संचालित एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 1973 किलोमीटर हो जाएगी।

लोकार्पण को लेकर आज शाम से रूट डायवर्जन

हरदोई : गंगा एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 अप्रैल को लोकार्पण किया जाएगा। इसको मद्देनजर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मल्लावां क्षेत्र में जिला प्रशासन ने व्यापक डायवर्जन लागू किया है। इसके तहत मंगलवार को शाम 6 बजे से 29 अप्रैल रात 12 बजे तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। • इनसाइड पेज

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण करा रहा है। बाकी एक्सप्रेसवे का निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने कराया है। गंगा एक्सप्रेसवे राज्य सरकार की महत्वपूर्ण परियोजना है। इसका

प्रदेश के 12 जिलों से होकर गुजरेगा गंगा एक्सप्रेसवे

राज्य के 12 जिलों मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज के 519 गांवों से होकर गुजरने वाले इस एक्सप्रेसवे के निर्माण पर सरकार ने 36,230 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह एक्सप्रेसवे पश्चिम उग्र को प्रदेश के पूर्वी हिस्से से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इससे राज्य का विकास तेजी से हो सकेगा।

शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 दिसंबर 2021 को किया था। नवंबर 2022 में इस परियोजना पर यूपीडा ने काम शुरू किया था। छह लेन के इस ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे को आठ लेन में विस्तारित करने के हिसाब से बनाया गया है।

संबंधित सामग्री >> इनसाइड पेज